रुस्या नी माहिया मेरा होया की कसूर वे

रुस्या नी माहिया मेरा होया की कसूर वे,
न छड़ के न जाना तेरा दर हजूर वे,
रुस्या नी माहिया मेरा होया की कसूर वे

यादा दे समुन्दर च डोब्के मैं रोइ आ,
रेत दियां कंधा वांगु वीरान मैं होइ आ,
गम ने विछोड़े वाले बन गए नासूर वे,
न छड़ के न जाना तेरा दर हजूर वे,

माडेया नसीबा मेरा इंज रूल जावे गा,
मैनु की पता सी हाय तू भी बुल जावेगा
रुसणा रूसाना नहियो चंगा दस्तूर पे,
न छड़ के न जाना तेरा दर हजूर वे,

सोख नाल सोहन्दी मैं भी प्रीत ना लौंडी मैं,
निक्की जाहि निमाणी जींद सोखी लंग जांदी वे,
तेरियां जुड़ाइयाँ नहियो साहनु मंजूर वे
न छड़ के जाना तेरा दर हजूर वे,

हंजू बहाने बड़े औखे अखियां च इंज न मैं ढोल दी,
भूल गई रहावा मैं ता अपने ही घर दी,

चरना दी दासी होइ बड़ी मजबूर वे,
न छड़ के जाना तेरा दर हजूर वे,

Source: https://www.bharattemples.com/rusiya-ni-mahiya-mera-hoya-ki-kasur-ve/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw